पाठ 5-0
बच्चों को सिखाने की तैयारी

एक अच्छा या उतना-अच्छा-नहीं शिक्षक?

आप "अच्छे शिक्षक" और एक "उतना-अच्छा-नहीं" शिक्षक के बीच क्या अंतर देख सकते हैं?

अच्छा शिक्षक	"उतना-अच्छा-नहीं" शिक्षक

एक अच्छा शिक्षक होना क्यों महत्वपूर्ण है?

भजन 78:1-7 को पढ़ें।

> और ईश्वर के बड़े कामों को भूल न जाएं, परन्तु उसकी आज्ञाओं का पालन करते रहें;
> **भजन** 78:7

सीखने का एक वातावरण बनाना

बच्चों के विकास में मदद् करने के लिए हम एक सीखने के वातावरण को कैसे बना सकते हैं?

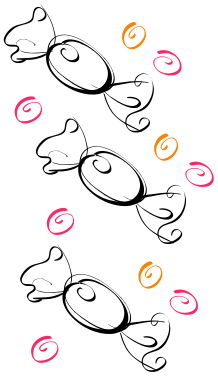

1) _____
2) _____
3) _____
4) _____
5) _____
6) _____
7) _____

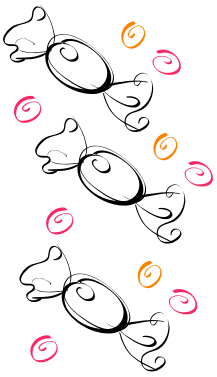

कक्षा में करने के लिए आपके लिए इनमें से कौन से सिद्धांत सबसे आसान हैं?

इनमें से कौन सा आपके लिए सबसे कठिन है?

यीशु ने अपने चेलों और दूसरे लोगों के साथ इन सिद्धांतों को किस तरीके से प्रदर्शित किया?

प्रेम *(मूल्य, स्वीकृति, व्यक्तिगत ध्यान, समय)*	**संरचना** *(आदेश, एक योजना)*	**अर्थपूर्ण जानकारी** *(प्रासंगिकता)*	**विभिन्नता** *(विभिन्न प्रकार की सीखने की गतिविधियाँ)*

दोहराव *(समीक्षा, समीक्षा, समीक्षा)*	**वार्ता** *(चर्चा, प्रश्न, संबंध, प्रतिबिंब, प्रतिक्रिया)*	**स्वयं बने रहने के लिए अनुमति** *(पता लगाने के लिए, बच्चे बने रहने के लिए)*

सीखने की प्रक्रिया

सीखने की प्रक्रिया में मुख्य तीन चरण हैं

प्रस्तुत करना	*चर्चा करना*	*लागू करना*
शिक्षक इस चरण पर सबसे अधिक सक्रिय होते हैं, जानकारी प्रस्तुत करते हैं।	**शिक्षक और सीखने वाले** दोनों इस चरण में भाग लेते हैं, जब वे उस बारे में बात करते हैं और प्रस्तुत की जाने वाली जानकारी पर प्रक्रिया करते हैं।	**सीखने वाले** इस चरण में सबसे अधिक सक्रिय होते है जो पाठ की प्रतिक्रिया में कुछ करने के, लिए तैयार होते हैं में कुछ करने के होते हैं। शिक्षक पाठ को लागु करने के लिए शिक्षार्थियों की अगुवाई करते है।
सीखने वाले पूछते हैं: **जानकारी क्या है?** वे बस अपने सभी इंद्रियों के माध्यम से नई जानकारी प्राप्त कर रहे हैं।	**सीखने वाले पूछते हैं:** **इसका क्या मतलब है? यह महत्वपूर्ण क्यों है?** वे चर्चा की जा रही जानकारी के महत्व को समझने लगे हैं।	**सीखने वाले पूछते हैं:** **इसका मेरे लिए क्या अर्थ है?** वे जवाब दे रहे हैं और अपने जीवन से संबंधित कर रहे हैं।
क्या हमने सीख लिया है? अब तक नहीं	**क्या हमने सीख लिया है?** अब तक नहीं	**क्या हमने सीख लिया है?** हाँ!
प्रस्तुत करने के लिए विचार: अपने शिक्षार्थियों को नई जानकारी दिखाएँ, जिन्हें आप चाहते हैं कि वे वस्तुओं, चित्रों, कहानियों, चार्ट, आरेख, वीडियो, संगीत, नाटक, वास्तविक अनुभव इत्यादि का उपयोग करते हुए सीखें।	**चर्चा के लिए विचार:** विद्यार्थियों को सोचने, बात करने, सवाल पूछने, चर्चा करने, समीक्षा करने, याद करने, तुलना करने, विश्लेषण करने, उदाहरण देने, भावनाओं का पता लगाने, विभिन्न बिंदुओं पर विचार करने आदि को आमंत्रित करें। ये सब शिक्षार्थियों को जानकारी संसाधित करने में मदद करेंगे।	**लागू करने के लिए विचार:** लागू करने के लिए समर्पण करने, प्रार्थना करने, काम देने, शिक्षार्थियों के लिए कक्षाओं की गतिविधियों की योजना बनाने, कक्षा के अन्दर विशिष्ट परियोजनाओं पर प्रयास करने के लिए उन्हें चुनौती दें, कक्षा के बाहर विशिष्ट परियोजनाओं को करने की चुनौती दें, अच्छे नतीजों के लिए जानकारी लेते रहें।
अमलीकरण के लिए कार्य करें जो सकारात्मक परिणाम देता है; विद्यार्थियों की क्षमताओं से परे कार्य और अमलीकरण से बचें।		

यीशु और सीखने की प्रक्रिया

यूहन्ना 13:1-17 को पढ़ें। यीशु ने अपने शिष्यों के साथ सीखने की प्रक्रिया का कैसे उपयोग किया?

उसने इस जानकारी को कैसे प्रस्तुत किया?

उन्होंने कब और क्या चर्चा की?

उसने अपने चेलों को पाठ को लागू करने के लिए कैसे प्रेरित किया?

सीखने की प्रक्रिया में एक पाठ

सीखने की प्रक्रिया के बारे में हमने जो सीखा है उसे लागू करने का प्रयास करने का समय है।

बच्चों के लिए इन शिष्यता विषयों में से एक पर विचार करें:

- ❑ दैनिक प्रार्थना
- ❑ परमेश्वर की आराधना
- ❑ दूसरों के लिए देखभाल
- ❑ देना

यदि आप बच्चों को अपने स्वयं के शिष्यत्व के इस क्षेत्र का अभ्यास करना सीखना चाहते हैं, तो सीखने की प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में आप उनके साथ क्या कर सकते हैं?

जानकारी को प्रस्तुत करें (रचनात्मक तरीके से)

जानकारी पर चर्चा करें (प्रश्न, गतिविधियों के साथ)

जानकारी को लागू करें (उन्हें आमंत्रित करने या कोशिश करने के लिए आमंत्रित करें)

समेटें

मरकुस 4:33-34 पढ़ें।

यीशु ने अपने चेलों के साथ रिश्ते को मजबूत करने में बहुत समय बिताया, उन्हें समझने में उनकी मदद कर रहा था कि वह क्या सिखा रहा है। इस समय और रिश्ते से, सीखने की प्रक्रिया आरम्भ हुई।

परमेश्वर आपसे सीखने के माहौल और प्रक्रिया के बारे में क्या बात कर रहे हैं?

इस पाठ में से वह एक विचार क्या है जिसे आप सीखने के वातावरण को बेहतर बनाने के लिए और/या बच्चों के साथ अपने काम में सीखने की प्रक्रिया में लागू करेंगे?

> और वह उन्हें इस प्रकार के बहुत से दृष्टान्त दे देकर उन की समझ के अनुसार वचन सुनाता था। और बिना दृष्टान्त कहे उन से कुछ भी नहीं कहता था; परन्तु एकान्त में वह अपने निज चेलों को सब बातों का अर्थ बताता था।
> **मरकुस** 4:33-34